–Save This Page as a PDF–

[illegible]

[illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] (**Aw-** [illegible]) [illegible]

[illegible]

Fl – यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर कलम कर दिया गया है मत्ती
१४:१-१२; मरकुस ६:१४-२९; लूका ९:७-९ | 2

काली दाढ़ी और मुँह पर पतली मूंछों के साथ, हेरोदेस एंटिपास एक सच्चे खलनायक जैसा दिखता था। हालाँकि उनके पिता में गंभीर दोष थे, फिर भी उन्होंने कई रचनात्मक कार्य किये। लेकिन एंटिपास के साथ ऐसा नहीं है, एक अपरिपक्व व्यक्ति जो कभी कुछ नहीं चाहता था और जो हमेशा राज्य की चाबियाँ सौंपे जाने की उम्मीद करता था।

हेरोदेस महान के कई अलग-अलग महिलाओं से कई बेटे थे। उनकी पसंदीदा पत्नी मैरीओमनी थी। उनका अरिस्टोबिलिस नाम का एक बेटा था। अरिस्टोबिलिस को फांसी देने से पहले उसके पिता की हेरोदियास नाम की एक बेटी थी। वहहेरोदेस महान की पोती थी। उनकी पहली शादी हेरोदेस महान के दूसरी पत्नी से पैदा हुए बेटे फिलिप से हुई थी। तो असल में उन्होंने अपने सौतेले चाचा से शादी की। कुछ समय तक फिलिप से शादी करने के बाद, उसने उसे छोड़ दिया और अपने सौतेले चाचा हेरोड एंटिपस की रखैल बन गई। बाद में उसने उससे शादी कर ली। समस्या यह थी कि फिलिप अभी भी जीवित था और हेरोदेस एंटिपास ने उससे विवाह तब किया जब उसकी पत्नी जीवित थी! इसलिए वह तीन बार व्यभिचार और अनाचार के दो मामलों की दोषी थी। कितनी गड़बड़ है। इस व्यभिचारी और अनाचारपूर्ण मिलन ने हेरोदेस को तत्काल परेशानी और दुख पहुँचाया। इससे अंततः उसका राज्य छिन गया और उसे आजीवन निर्वासन में भेज दिया गया। आपने क्या पूछा है सावधान रहें।

युहन्ना ने हेरोदेस की लिव-इन व्यभिचारिणी की जीवनशैली की निंदा की। जोर से। सार्वजनिक रूप से। इसलिए हेरोदेस एंटिपास ने अपने भाई फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास, जिससे उसने विवाह किया था, के कारण यूहन्ना को गिरफ़्तार कर लिया, उसे बाँध दिया और जेल में डाल दिया (सोलोमन के जीवन पर टिप्पणी देखें – एडोनाई के लिए कैदी)।युहन्ना हेरोदेस के पाप की ओर इशारा कर रहा था जब उसने कहा: आपके लिए अपने भाई की पत्नी को रखना उचित नहीं है (मत्ती १४:३-४; मरकुस ६:१७-१८)। आज शायद इसे महज एक वैकल्पिक जीवनशैली के तौर पर देखा जाएगा। लेकिन युहन्ना ज़ोर-ज़ोर से और लोगों की नज़रों में बताता रहा कि हेरोदेस ने टोरा का उल्लंघन किया है (लैव्यव्यवस्था १८:१६ और २०:२१)। एंटिपास युहन्ना को मारना चाहता था, लेकिन वह लोगों से डरता था, क्योंकि वे उसे भविष्यवक्ता मानते थे (मत्ती १४:५)।

एंटिपास के लिए मुद्दा राजनीतिक होने के साथ-साथ नैतिक भी था। जोसेफस हमें बताता है कि जिस महिला एंटिपस ने हेरोदियास से शादी करने के लिए तलाक लेने की योजना बनाई थी, वह नबातिया के राजा अरेटस चतुर्थ की बेटी थी। इससे राज्यों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया होगा। पेरिया में एंटिपास के कई विषय जातीय रूप से नबातियन थे, इस प्रकार एंटिपास की तुलना में एरीटास के प्रति अधिक वफादार थे। युहन्ना की गिरफ्तारी से बेशक मामला और खराब हो जाएगा। और जब एरीटस ने बाद में एंटिपास को युद्ध में हराया, तो लोगों ने कहा कि यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर काटने के लिए एंटिपास पर परमेश्वर का फैसला था।

इसलिए हेरोदियास ने युहन्ना के प्रति द्वेष पाल लिया और उसे मार डालना भी चाहता था। द्वेष पैदा करने वाला वाक्यांश अपूर्ण काल में है, जिसका अर्थ है कि उसनेहेरोदेस के साथ अपने सार्वजनिक संबंधों की निंदा करने का साहस करने के लिए युहन्ना के प्रति अपने गुस्से को कभी कम नहीं होने दिया। इस बेहूदे दरिंदे ने उसका अपमान करने की हिम्मत कैसे की? लेकिन

Cy-

Fl – यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर कलम कर दिया गया है मत्ती
१४:१-१२; मरकुस ६:१४-२९; लूका ९:७-९ | 4

धीरे-धीरे घूम रही थी। सभी पुरुष मंत्रमुग्ध थे और उस पर से अपनी नजरें हटाने में असमर्थ थे। जब संगीत ख़त्म हुआ तो अनुमोदन की गर्जना इतनी तेज़ थी कि इसे महिलाओं के बैंक्वेट हॉल तक सुना जा सकता था।

अनैतिक तमाशा शराबी पुरुषों के पूरी तरह से भ्रष्ट स्वभाव को दर्शाता था, और हेरोदेस ने उसे इनाम की पेशकश की। उसने हेरोदेस और उसके मेहमानों को इतना प्रसन्न किया कि राजा ने लड़की से कहा, “तुम्हें जो कुछ चाहिए वह मुझसे मांगो, और मैं तुम्हें दे दूंगा।” और उसने शपथ के साथ उससे वादा किया, “तू जो कुछ मांगेगी, मैं तुझे अपना आधा राज्य तक दे दूंगा” (मत्ती १४:६-७; मरकुस ६:२२-२३)। इस अभिव्यक्ति को शाब्दिक रूप से नहीं लिया जाना चाहिए, बल्कि इसका मतलब यह था कि वह उसके अनुरोध को कृपापूर्वक देखेगा।

सैलोम बहुत छोटी थी, लेकिन वह बहुत चतुर भी थी। वह बाहर गई और अपनी माँ से बोली, “मैं क्या माँगूँ?” यही वह क्षण था जिसका हेरोदियास ने इतने धैर्य से इंतजार किया था और उसने उत्तर दिया: मुझे यहां एक थाल में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर दे दो (मत्तीयाहु १४:८; मार्क ६:२४)। युवा प्रलोभिका ने संकोच नहीं किया। लड़की तुरंत अनुरोध लेकर राजा के पास पहुंची।अपने सौतेले पिता की आंखों में बेशर्मी से देखते हुए, उसने ढीठ स्वर में कहा: मैं चाहती हूं कि तुम मुझे अभी एक थाल में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर दे दो (मरकुस ६:२५)। सैलोम का अर्थ है “शांति।” एक अच्छा स्पर्श, क्या आपको नहीं लगता?

हेरोदेस हैरान रह गया। राजा को राजनीतिक षडयंत्र समझ आ गया। आख़िरकार, उसने वह खेल पूरी ज़िंदगी खेला था। वह एक ऐसे घर में पले-बढ़े जहां उनके पिता हेरोदेस महानउनके किसी भी भाई को विश्वासघात का जरा सा भी संकेत मिलने पर मार डालते थे। हाँ, वास्तव में, वह जानता था कि साज़िश का खेल कैसे खेलना है। इसलिए हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं कि जब उसे एहसास हुआ कि उसकीअपनीपत्नी ने उसे मात दे दी है तो वह कितना परेशान हुआ होगा! हेरोदेस को अनुरोध के सभी निहितार्थों का एहसास हुआ। . . उसे उस भविष्यवक्ता का हत्यारा बनना था जिससे वह डरता था और जिसका वह सम्मान करता था। परन्तु अपनी शपथों और अपने भोजन में अतिथियों के कारण वह उसे अस्वीकार न करना चाहता था; इसलिए, उसने आदेश दिया कि उसका अनुरोध स्वीकार किया जाए (मत्ती १४:९; मरकुस ६:२६)।

युहन्ना को व्यक्तिगत कारणों से गिरफ्तार कर लिया गया और मार दिया गया। इसलिए हेरोदेस ने तुरंत एक जल्लाद को युहन्ना का सिर लाने का आदेश देकर भेजा। वह आदमी गया और जेल में यूहन्ना का सिर काट डाला (मत्ती १४:१०; मरकुस ६:२७)। जैसे ही युहन्ना ने अपनी कोठरी का दरवाज़ा खुलने की चरमराहट सुनी, एक आदमी चौड़ी, नुकीली तलवार लेकर अंदर दाखिल हुआ। वह अकेला आया था। चंद्रमा की रोशनी दरवाजे से होकर आ रही थी। बपतिस्मा देनेवाला ने एक साल पहले ही अपने भाग्य को स्वीकार कर लिया था। जल्लाद को शायद युहन्ना को घुटनों के बल झुकने पर भी मजबूर नहीं करना पड़ा। फिर तलवार चलाने वाले ने ब्लेड को उसके सिर के ऊपर उठाया और क्रूरतापूर्वक उसे नीचे गिरा दिया। योचनान को शायद कुछ भी महसूस नहीं हुआ क्योंकि भारी स्टील ब्लेड ने उसका सिरउसके शरीर से अलग कर दिया था। जंगल में चिल्लाती हुई आवाज खामोश

[illegible]

[illegible] ([illegible]) [illegible]

[illegible] XVIII, [illegible] [illegible] 18[illegible]

Fl – यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर कलम कर दिया गया है मत्ती
१४:१-१२; मरकुस ६:१४-२९; लूका ९:७-९ | 6

यह सुनकर यूहन्ना के चेले आये और उसका शव ले जाकर एक कब्र में रख दिया (मरकुस ६:२९)। यह कल्पना करना कठिन है कि जिसे वे बहुत प्यार करते थे और जिसका ईमानदारी से पालन करते थे, उसके क्षत-विक्षत शरीर को ले जाने में उन्हें कितना दर्द हुआ होगा। वह एक महान और धर्मात्मा व्यक्ति था, जो उनका मित्र और शिक्षक था, जिसके उग्र उपदेश के तहत उन्होंने अपने पापों को स्वीकार किया और त्याग दिया था और जिनकी प्रेरणा से उन्होंने शायद दूसरों को पश्चाताप के लिए प्रेरित किया था। तब उन्होंने जाकर यीशु को बता दिया (मत्ती १४:१३)।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला को मारने के बाद, पूरे गलील में यीशु की चमत्कारी गतिविधि ने हेरोदेस एंटिपास का ध्यान आकर्षित किया, क्योंकि उसका नाम प्रसिद्ध हो गया था। हालाँकि, जब येशुआ की प्रसिद्धि उन तक पहुँची, तो उनके कुछ सलाहकारों ने सुझाव दिया कि योचनान को मृतकों में से जीवित कर दिया गया है! इसीलिए उनमें चमत्कारी शक्तियां काम कर रही हैं। दूसरों ने कहा: वह एलिय्याह था। और अन्य लोगों ने दावा किया, “वह एक भविष्यवक्ता है, बहुत पहले के भविष्यवक्ताओं में से एक की तरह जो जीवन में वापस आ गए थे।” लेकिन जब हेरोदेस ने यह सुना, तो उसने विश्वास नहीं किया कि नाज़रीन मसीहा था, बल्कि, अग्रदूत का पुनर्जन्म था (मत्ती १४:१-२; मार्क ६:१४-१६; लूका ९:७बी-९)। यह ऐसा था मानो एंटिपास को मृत भविष्यवक्ता द्वारा उसकी हत्या का आदेश देने की सजा के रूप में सताया जा रहा हो। जब सोने की थाली बैंक्वेट हॉल में लाई गई तो वहयुहन्नाके सिर से खून टपकने का दृश्य नहीं भूल सका। इसके बाद वह लगातार बेचैन, दुखी और आशंकाओं से भरा रहने लगा। एंटिपास को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि बपतिस्मा देने वाला वास्तव में मर चुका है, और जैसे ही यीशु की प्रसिद्धि उस तक पहुंची, हेरोदेस का भ्रमित दिमाग हमेशा उस आदमी की ओर लौट जाता था जिसका उसनेसिर काटा था। और जैसा कि पहले वह अक्सर और खुशी-खुशी बैपटिस्ट को ढूंढ़ता था, अब वह उत्सुकता से इस उम्मीद में यीशु को ढूंढ़ेगा कि किसी तरह यह वास्तव में योचनान ही है और उसके दोषी विवेक को राहत मिल सकती है।

हेरोदियास ने युहन्नाबपतिस्मा देने वाला से अपना बदला लिया था। लेकिन अगर उसने या उसके पति ने सोचा था कि अग्रदूत को मारने से गलील में यीशु की जीत के बारे में उत्साह शांत हो जाएगा, तो वह दुखद रूप से गलत थी। हो सकता है कि योचनान ने पश्चाताप के बपतिस्मा से तीव्र भावनाएँ जगाई हों, लेकिन येशुआ हा-मेशियाचअपनेसमय के धार्मिक अधिकार को ऐसे तरीकों से चुनौती दे रहा था जैसा पहले कभी नहीं देखा या सुना गया था। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि जो दूत के साथ होगा वही राजा के साथ भी होगा।

बपतिस्मा देने वाला ने हेरोदेस को भयभीत और मोहित दोनों किया। हालाँकि हेरोदेस ने यूहन्ना को जेल में डाल दिया था, उसने महसूस किया कि लोग सही थे: यूहन्ना एक भविष्यवक्ता था (मत्ती १४:५)। और इसलिए वहव्यथित हो गया जब उसने पाया कि उसे अपनी लापरवाह शपथ पूरी करनी होगी और युहन्ना का सिर कटवाना होगा। फिर भी हेरोदेस की दुर्दशा यूहन्ना से भी अधिक गंभीर थी। हालाँकि उसे एक दुखद मृत्यु का सामना करना पड़ा, योचनान ने पृथ्वी पर अपना काम किया था – वहप्रभु के सामने जाकर उनके लिए रास्ता तैयार करने वाला व्यक्ति था (लूका १:७६)। येशुआ ने कहा कि स्त्रियों से जन्मे लोगों में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से

Fl – यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का सिर कलम कर दिया गया है मत्ती
१४:१-१२; मरकुस ६:१४-२९; लूका ९:७-९ | 7

बड़ा कोई नहीं हुआ (मत्ती ११:११)। अग्रदूत परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन का आनंद उठाएगा।

दूसरी ओर, हेरोदेस को सभी समय के सबसे महान भविष्यवक्ताओं में से एक को जानने का सम्मान दिया गया था। इस अनुभव से परिवर्तित होने के बजाय, उसने अपने पापपूर्ण तरीकों को जारी रखना चुना। शायद उसे डर था कि अगर उसनेयोचनान के संदेश को अपने अंदर घुसने दिया तो उसके जीवन का क्या होगा। निश्चय ही उसे बदलना पड़ा होगा। सत्य को पकड़ने के बजाय, हेरोदेस – अनंत काल तक – एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा जिसे वह करने के लिए प्रेरित किया गया था जो वह नहीं करना चाहता था: युहन्ना बपतिस्मा देने वाले को मौत की सजा देना।

परिवर्तन का डर कभी-कभी हमें अपने जीवन में नकारात्मक या पापपूर्ण पैटर्न को अपनाने के लिए भी प्रेरित कर सकता है। हमें व्यक्तिगत आधार पर यीशु को जानने का सम्मान प्राप्त है। वह संभावना हमें खुश तो कर सकती है, लेकिन भयभीत भी कर सकती है। एक प्रतिबद्ध आस्तिक के रूप में, यहोवा हमें अपने जीवन में क्या बदलाव लाने के लिए कहेंगे? क्या हमें उन आदतों को छोड़ना होगा जो हमें उससे दूर ले जाती हैं, या उन मित्रताओं को छोड़ना होगा जो हम पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं? क्या हमें अलोकप्रिय रुख अपनाकर उत्पीड़न का जोखिम उठाना पड़ेगा?

परन्तु हम उन में से नहीं हैं जो पीछे हट जाते हैं और नाश हो जाते हैं, परन्तु उन में से हैं जो विश्वास रखते हैं और बचाए गए हैं (इब्रानियों १०:३९)। आइए हम प्रभु से पीछे न हटें, तब भी जब उनका सत्य उन सभी धारणाओं को चुनौती देता है जिन पर हमने अपना जीवन बनाया है। उसका सत्य अनन्त जीवन का द्वार है।

पिता, हमें आपका अनुसरण करने का साहस दीजिए, चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भले ही हमें बदलाव के दर्द का सामना करना पड़े, फिर भी हमारे प्रति आपके प्यार और हमारे जीवन के लिए आपकी योजना पर भरोसा करने में हमारी मदद करें। आमीन .